आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-27, भोपाल, सोमवार, 31 जुलाई से 06 अगस्त 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को कैश बैक का बोनांजा दे सकती है सरकार

बेंगलुरू। इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सरकार भीम ऐप का इस्तेमाल करते हुए डिजिटल लेन-देन के विकल्प को चुनने पर ज्यादा कैशबैक का ऑफर देगी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा संचालित, भीम ऐप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (PI) पर काम करता है। नोटबंदी के बाद डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने दिसंबर में भीम ऐप पेश किया था। NPCI के एमडी और सीईओ एपी होता ने बताया कि भीम ऐप का इस्तेमाल करने पर सरकार द्वारा कैश बैक की प्रस्तावित अनुमोदन 15 अगस्त तक लागू होने की उम्मीद है। यह भीम ऐप के नए वर्जन की प्लान्ड रोलआउट के साथ पेश किया जा रहा है। होता ने कहा कि हमने सरकार को सूचित किया है कि कैश बैक इंसेंटिव्स को बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि अधिक लोग इसका उपयोग करना शुरू कर दें। हम 15 अगस्त तक सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। वर्तमान में कैश बैक 10 से 25 रुपए के बीच है। भीम के उपयोगकर्ताओं के लिए ज्यादा इंसेंटिव्स देने की बात होता इसलिए भी कर रहे हैं क्योंकि देश के अन्य एप कस्टमर एक्विजिशन और बार-बार लेनदेन के लिए ज्यादा तेजी से कैश-बैक इंसेंटिव्स दे रहे हैं। वैश्विक निवेशकों द्वारा समर्थित कंपनियां जैसे पेटीएम और फोनपे ने इन डिस्काउंट पर भरोसा कर यूजर्स को अपने प्लेटफॉर्म पर आकर्षित किया है। वर्तमान में यदि कोई व्यक्ति भीम को किसी दूसरे को रिफर करता है, तो उसे 10 रुपए बोनस मिलेगा और जिस व्यक्ति को रिफर किया गया है, उसे 25 रुपए कैशबैक मिलते हैं।

फ्रिज, एसी या कार है, तो नहीं मिलेगा सरकारी कल्याणकारी योजना का लाभ

नई दिल्ली। यदि आपके पास फ्रिज, एसी या कार है, तो सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आपको नहीं मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में हर 10 में से छह घरों में यह पहचानने के लिए मूल्यांकन किया जाएगा कि वे सरकार की सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं के हकदार हैं या नहीं। सरकारी पैनल की सिफारिश में यह बात कही गई है। इसके वहत चार कमरे वाले घर, चार पहिया वाहन, एयरकंडीशनर को शहरी इलाकों में सामाजिक लाभ के पात्र होने के दायरे से बाहर रखा जाएगा। इसके अलावा जिन लोगों के पास रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और दो पहिया वाहन हैं, उन्हें भी इस योजना से बाहर रखा गया है। सामाजिक आर्थिक सर्वे को लागू करने के लिए बनाई गई बिबेक देबरॉय कमेटी ने यह सिफारिश की है।

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि आवासीय, व्यावसायिक और सामाजिक अभाव के लिए तय पैमानों के आधार पर लाभार्थियों की सूची में स्वतः ही कौन शामिल होगा। इस योजना में वे लोग शामिल होंगे, जो बेघर हैं या जिनकी छत पॉलिथीन की बनी है या घर में कोई भी वयस्क पुरुष कमाने वाला नहीं है या घर का खर्च कोई बच्चा उठा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बाकी परिवारों को यह पता लगाने के लिए मूल्यांकन किया जाएगा कि क्या उन्हें लाभार्थियों की सूची में शामिल किया जा सकता है या नहीं। एक आधिकारी ने कहा कि परिवारों का मूल्यांकन शून्य से 12 के पैमाने पर सूचकांक स्कोर के आधार पर किया जाएगा। ये पैमाने आवासीय, सामाजिक और व्यावसायिक अभाव होंगे। इससे पहले एसआर हाशिम समिति ने दिसंबर 2012 में शहरी गरीबों पर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, लेकिन सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया था। हाशिम पैनल की सिफारिश के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 41 फीसद परिवारों को मूल्यांकन के लिए शामिल किया जा सकता था, ताकि यह पता हो कि क्या वे सरकारी योजनाओं का लाभ लेने योग्य हैं या नहीं।

PATS की गिरफ्त में आया बांग्लादेशी आतंकी, बनाता था फर्जी आई-कार्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसटीएफ व एटीएस ने रविवार को संयुक्त अभियान में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। देवबंद से गिरफ्तार इन संदिग्धों में एक बांग्लादेशी आतंकी भी है। एसटीएफ व एटीएस अब इनके बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र करने में लगी हैं। देवबंद से गिरफ्तार संदिग्धों में एक बांग्लादेश का आतंकी है। अंसारुल बांग्ला टीम से जुड़ा अब्दुल्लाह अभी मुजफ्फरनगर के चरथावल के कुटेसरा में रह रहा था। वह वहां पर फर्जी आधार कार्ड तथा पासपोर्ट बनाने के काम में लिप्त था। अब्दुल्लाह के अलावा तीन अन्य लोग देवबंद के आसपास के क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में सक्रिय थे। इनमें से दो कश्मीरी व एक बिहार का है।

बांग्लादेशी आतंकी अब्दुल्लाह फर्जी पासपोर्ट के आधार पर भारत में रह रहा है। यह यहां पर आतंकियों को आश्रय देने के साथ ही उनके फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में बेहद सक्रिय था। एटीएस व एसटीएफ की टीमों से सूचना के आधार पर मुजफ्फरनगर, शामली व बागपत में तलाशी का अभियान चलाया था। एसटीएफ के एडीशनल बृजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में आज अब्दुल्लाह को गिरफ्तार किया गया। उसको मुजफ्फरनगर में पकड़ा गया है। यहां से पहले वह सहारनपुर के अम्बेहटा शेख थाना देवबंद में 2011 से रह रहा था। यहीं से उसने फर्जी दस्तावेज की मदद से पासपोर्ट बनवा लिया था।

प्रारंभिक पूछताछ में अब्दुल्लाह ने बताया कि वह देवबंद में रहकर बांग्लादेश के फैजान की मदद से आतंकियों तथा बांग्लादेश के अन्य लोगों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनके लिए भारत में ठिकाने तैयार कर रहा था। एसटीएफ व एटीएस अब फैजान की तलाश में है। अब्दुल्लाह बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसारुल बांग्ला टीम से जुड़ा है।

एटीएस के महानिरीक्षक असीम अरुण ने बताया कि दस्ते ने अब्दुल्लाह अल मामून नामक व्यक्ति को आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में मुजफ्फरनगर जिले के कुटेसरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती पूछताछ में पता लगा है कि वह बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'अन्सारुल्ला बांग्ला टीम' से जुड़ा है।

अन्सारुल्ला बांग्ला टीम कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन द्वारा गठित किये गये आतंकवादी संगठन 'अलकायदा' से प्रेरित तन्जीम बतायी जाती है। अरुण ने बताया कि बांग्लादेश के मोमिन शाही जिले के हुसनपुर गांव का रहने वाला अब्दुल्लाह पिछले करीब एक महीने से मुजफ्फरनगर के कुटेसरा में रह रहा था।

इससे पहले वह सहारनपुर जिले के देवबंद थाना क्षेत्र स्थित अम्बेहटा शेख इलाके में रह रहा था। वहीं पर उसने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपना पासपोर्ट बनवाया था।उसके कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, पासपोर्ट, चार मोहरें तथा 13 पहचान पत्र बरामद किए गए हैं।

टेरर फंडिंग: शब्बीर शाह का सहयोगी असलम वानी गिरफ्तार

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग मामले में अलगाववादी नेताओं के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इसी सिलसिले में रविवार को अलगाववादी नेता शब्बीर शाह के सहयोगी असलम वानी को आतंकी फंडिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके बाद असलम वानी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जाएगा। बता दें कि 3 अगस्त को दिल्ली की अदालत ने शब्बीर शाह की हिरासत छह दिन के लिए बढ़ा दी थी।

ईडी ने आतंकवादियों के संपर्क में था शब्बीर शाह - ईडी ने अदालत को बताया कि शाह पाकिस्तान के आतंकवादियों के संपर्क में था और हवाला के माध्यम से उसे शांति भंग करने कि लिए पैसे मिले थे। हम कई मेल हासिल करने की प्रक्रिया में हैं और हमें उन्हें जांचना होगा। हमें शाह का उसके सहयोगियों से सामना करना है क्योंकि वह अपने होटल के खाते में करोड़ों रुपए का दान हासिल कर रहा है। साल 2010 में ठहराया जा चुका है दोषी - साल 2010 में एक स्थानीय अदालत ने वाणी को आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराया, लेकिन आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के आरोपों को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वे साबित नहीं हो सके हैं। बचाव पक्ष ने शाह पर लगे आरोपों को खारिज करने को कहा, लेकिन अदालत ने कहा कि ईडी अभी भी शाह के खिलाफ आरोपों की जांच कर सकता है। ये है पूरा मामला - दरअसल, अगस्त 2005 में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने असलम वानी को गिरफ्तार किया था। असलम पर हवाला कारोबार से जुड़े होने का आरोप था। आरोप था कि असलम ने शब्बीर शाह को अलग-अलग वक्त पर कुल 2.25 करोड़ रुपए दिए। जिसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत शब्बीर शाह और असलम वानी के खिलाफ केस दर्ज किया। वानी 63 लाख की नकदी के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया गया था। पुलिस का दावा था कि वानी के पास ये पैसा हवाला के जरिये मध्य एशिया से आया।

चीन का मोदी पर निशाना, कहा- भारत को युद्ध की तरफ धकेल रहा अड़ियल रवैया

बीजिंग। डोकलाम को लेकर असमंजस में पड़ा चीन अब गतिरोध के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सख्त रवैये को जिम्मेदार ठहरा रहा है। सरकार नियंत्रित अखबार ने संपादकीय में लिखा है कि मोदी अपने देश को युद्ध की तरफ बढ़ा रहे हैं और देशवासियों के भविष्य के साथ खेल रहे हैं। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ताकत को जानते हुए भी मोदी ऐसा कर रहे हैं। इस बीच चीनी सेना के भारत के साथ सीमित युद्ध की संभावना पर विचार करने की जानकारी मिली है। चीनी रक्षा मंत्रालय द्वारा संयम की परीक्षा न लिये जाने की धमकी के बाद चीन के सरकारी मीडिया की भाषा और तीखी हुई है। वह आक्रामक भाषा के जरिये भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि भारत ने ऐसे देश को चुनौती दी है जो ताकत के मामले में उससे भारी है। इसलिए युद्ध का परिणाम तय है। भारत के दुस्साहस ने चीन के लोगों को अचंभे में डाल दिया है। मोदी सरकार अच्छी तरह से जानती है कि भारतीय सेना चीन की सेना का मुकाबला नहीं कर पाएगी। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ते हुए भारतीय सेना ने चीनी क्षेत्र में घुसपैठ की है। इससे क्षेत्रीय शांति को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मोदी सरकार के इस कदम से भारतीय लोगों का गौरव और उनके विकास की योजनाएं भी खतरे में पड़ गई हैं। मोदी सरकार हालात को सुधारने से इन्कार कर रही है। इससे देश युद्ध की तरफ बढ़ रहा है। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की तरह भारत चीन को नहीं दबा सकता। चीन की सेना तैयार है लेकिन वह शांति बनाए रखने के लिए भारत को समय देना चाहती है। चीनी सेना के पिछले महीने जवाबी कार्रवाई न करने को मोदी सरकार ने सद्भावना न समझकर कमजोरी माना। यह उसका गलत आकलन है। उल्लेखनीय है कि भारत, भूटान और चीन के स्वामित्व वाले त्रिकोणीय इलाके में चीनी सेना के सड़क बनाए जाने पर 16 जून को भारतीय सेना ने उसे रुकवा दिया था। इस सड़क से भारत के सुरक्षा हितों को खतरा पैदा हो रहा था। शुक्रवार को चीनी रक्षा मंत्रालय ने अपने लंबे बयान में कहा था कि भारत मामले को लटकाने की अपनी नीति छोड़कर डोकलाम से सेना को वापस बुलाए। वह चीनी सेना की ताकत और उसके आत्मविश्वास को कम करके नहीं आंके। इससे पहले गुरुवार को भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने संसद में डोकलाम गतिरोध का समाधान बातचीत के जरिये खत्म करने की आवश्यकता जताई थी। कहा था कि दोनों देशों की सेनाएं पूर्व स्थिति में वापस लौटें, तब बातचीत हो सकती है।

ट्रंप चाहते हैं कि पाक बंद करें आतंक पर दोहरी बात

वाशिंगटन। अमेरिका ने आतंकवाद के मुद्दे पर एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल एचआर मैकमास्टर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान की उस विरोधाभासी नीति में बदलाव चाहते हैं जिसके तहत उन आतंकियों को समर्थन दिया जाता है जिन्होंने उनके यहां सुरक्षित आश्रय ले रखा है। साथ ही पाकिस्तान अपने पड़ोसी देशों में आतंकवादियों की मदद करता है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की वेबसाइट के मुताबिक अमेरिका समय-समय पर पाकिस्तान को आतंकियों के मददगार होने के आरोप में कठघरे में खड़ा करता रहा है लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है जब ये बातें सीधे ट्रंप के हवाले से कही गई हों। जनरल मैकमास्टर ने एक रेडियो इंटरव्यू में पाकिस्तान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का रुख जाहिर किया। मैकमास्टर ने कहा, 'ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अमेरिका उस इलाके में उन लोगों के बर्ताव में बदलाव देखना चाहता है जो तालिबान, हक्कानी नेटवर्क और अन्य आतंकी संगठनों को सुरक्षित स्थान और मदद मुहैया करा रहे हैं।' अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने आगे साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि यह पाकिस्तान है जिसके व्यवहार में हम परिवर्तन और आतंकी समूहों के समर्थन में कमी देखना चाहते हैं। इस तरह के माहौल बनाने से पाकिस्तान को ही भारी नुकसान हो रहा है। इन आतंकी संगठनों के खिलाफ उसने अब तक कुछ चुनिंदा कदम ही उठाए हैं। मैकमास्टर ने अफगानिस्तान पर ट्रंप की नीति का भी समर्थन किया।

दो साल में 40 गुना बढ़ गए गर्भपात!

इंदौर। सुधरते लिंगानुपात ने जहां लोगों के सोच में सुधार के संकेत दिए हैं, वहीं डॉक्टरों के अमानवीय रवैये और मिलीभगत को भी उजागर किया है। बीते दो साल में अस्पताल में गर्भपात के मामले 40 गुना से अधिक बढ़ गए हैं। सख्ती व निगरानी के चलते वे रिकॉर्ड पर आने लगे हैं। पहले यही गर्भपात बिना किसी को भनक लगे हो जाते थे। पहले हर महीने बमुश्किल 12 एमटीपी (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) डॉक्टर उजागर करते थे, लेकिन अब इनकी संख्या औसतन 500 तक पहुंच गई है। प्रशासन ने अब एमटीपी रिपोर्ट के साथ गर्भवती की सोनोग्राफी रिपोर्ट को भी अनिवार्य कर दिया है। सजा के डर से ही सही, लेकिन तीन सालों में लड़कियों के अनुपात में तेजी से बढ़ोतरी हो गई है। सोनोग्राफी मशीनों में ट्रेकर लगने के बाद से डॉक्टर भी गर्भपात करने में डरने लगे हैं। फॉर्म एफ भी हुए दोगुना -इंदौर में पीसीपीएनडीटी कानून के तहत सभी सोनोग्राफी सेंटर में ट्रेकर डिवाइस लगाने के साथ-साथ फार्म 'एफ' अनिवार्य किया तो सोनोग्राफी करवाने वाली गर्भवतियों का दोगुना रिकॉर्ड प्रशासन तक पहुंचने लगा है। वर्ष 2014 तक हर माह सोनोग्राफी के बमुश्किल 10 हजार फॉर्म 'एफ' प्रशासन तक पहुंचते थे, वहीं अब औसतन 22 हजार फॉर्म पहुंच रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक गर्भवती की बिना आईडी प्रूफ के सोनोग्राफी नहीं करने के नियम को देशभर में लागू करने की योजना है। परिवार व स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय में यह प्रस्ताव लंबित है।

महाकाल सवारी: राजाधिराज ने उमा-महेश रूप में दिए दर्शन

उज्जैन। श्रावण मास में सोमवार को ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की चौथी सवारी निकली। अवंतिकानाथ ने भक्तों को चार रूपों में दर्शन दिए। राजाधिराज रजत पालकी में चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर मनमहेश, गरुढ़ पर शिवतांडव तथा नंदी पर उमा-महेश रूप में निकले। मंदिर के सभामंडप में पूजन के बाद शाम 4 बजे राजा की पालकी नगर भ्रमण के लिए रवाना हुई। परंपरागत मार्गों से सवारी शाम करीब 5 बजे मोक्षदायिनी शिप्रा के तट रामघाट पहुंची।

गर्भ के साथ-साथ बढ़ता गया हार्निया, एमवाय अस्पताल में जटिल सर्जरी कर शिशु को बचाया

इंदौर। एमवाय अस्पताल में शनिवार को स्त्री और प्रसूति रोग विभाग ने एक गर्भवती की अत्यंत जटिल सर्जरी कर शिशु की सुरक्षित डिलिवरी कराई। सनावद के प्राइवेट अस्पताल से रेफर हुई 30 वर्षीय रेखा दो माह से एमवाय में भर्ती थी। उसका गर्भाशय हार्नियल सेक में था। इससे यह सामने के बजाय नीचे की ओर बढ़ता गया। देखने में यह बेहद अजीब था, क्योंकि यह बड़ी गठान की तरह लग रहा था। शिशु के साथ-साथ हार्निया भी बड़ा होता गया। इससे गर्भाशय आंतों की तरह नीचे की तरफ बढ़ता गया। शिशु का आकार बढ़ने के बाद चमड़ी इतनी पतली हो गई कि शिशु के अंग महसूस होने लगे थे। डॉक्टरों के मुताबिक अगर डिलिवरी नहीं करवाई जाती तो चमड़ी अपने आप फट सकती थी। महिला के लिए हर दिन जोखिमभरा था। स्त्री और प्रसूति विभागाध्यक्ष डॉ. निलेश दलाल के नेतृत्व में डॉ. रामशरण रायकवार, डॉ. प्रदीप, डॉ. शीतल ने सर्जरी की। डॉ. दलाल ने बताया छठे महीने से महिला के खान-पान और दवाइयों की विशेष खुराक तय की गई थी। बच्चे का वजन अत्यधिक कम था, जिसे सामान्य स्थिति में लाया गया। कई बार प्रेग्नेंसी के दौरान हार्निया परेशानी होती है लेकिन इस मामले में बच्चेदानी बाहर होने से हार्निया भी साथ-साथ बढ़ता गया। सर्जरी कर पहले हार्निया निकाला गया, फिर शिशु को। अब मां और शिशु दोनों खतरे से बाहर हैं। शिशु का वजन करीब दो किलोग्राम है। डॉक्टरों का दावा है कि पहली बार इस तरह की सर्जरी अस्पताल में हुई है।

10 घंटे में सात जटिल सर्जरी कर बचाई मरीज की जान

इंदौर। दुर्घटना में गंभीर घायल युवक को शहर के निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने 10 घंटे में सात जटिल सर्जरी कर बचा लिया। 2 अगस्त को सारंगपुर के पास ग्राम निहाल के 32 वर्षीय हीरालाल को गंभीर हालत में विजय नगर स्थित ज्योति हॉस्पिटल में रात साढ़े 12 बजे लाया गया था। ऑर्थोपीडिक और ट्रामा विशेषज्ञ डॉ. अर्पित तिवारी ने तुरंत जांच की तो पाया कि हीरालाल के दाएं पैर की जांघ की हड्डी चार जगह से, बाएं पैर की हड्डी दो जगह से, बाएं हाथ की दोनों हड्डियां, बाएं तरफ की पसली और दाएं कंधे की हड्डी टूट गई थी। डॉ. तिवारी ने टीम के साथ लगातार 10 घंटे इलाज किया। इस दौरान सात जटिल सर्जरी हुईं। इसके बाद मरीज की जान बच सकी।

मोबाइल हेडफोन छीन रहा सुनने की शक्ति

इंदौर। मोबाइल हेडफोन के जरिए बातें करना और संगीत सुनने के साथ ही ट्रैफिक का शोर शहरवासियों के कान खराब कर रहा है। शहर के अस्पतालों की ओपीडी में आने वाले 60 प्रतिशत से ज्यादा मरीज कम सुनने सहित कान की समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें 20 से 40 वर्ष के मरीज ज्यादा हैं। कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में ही लगभग रोज एक मरीज को कान की मशीन लगाना पड़ रही है। यह चौंकाने वाली जानकारी सरकारी अस्पतालों के नाक, कान, गला रोग विभाग की ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या से पता चली है। ओपीडी में आने वाले ज्यादातर युवा कान में सीटी बजने जैसी शिकायत के साथ पहुंच रहे हैं। ये मरीज रोजाना औसतन 3 से 4 घंटे मोबाइल पर बात करते हैं।

लगातार बढ़ रहे हैं मरीज, ज्यादातर युवा : एमवाय अस्पताल ओपीडी में हर दिन 150 से ज्यादा मरीज पहुंचते हैं। इनमें कान की बीमारी से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इनमें युवा ज्यादा हैं। मोबाइल से निकलने वाली तरंगें सीधे कान पर असर डालती हैं। अब तक कान की बीमारी को उम्र से जोड़कर देखा जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं रहा।

किराए पर फ्लैट लिया और चलाने लगे सेक्स रैकेट, 8 लोग पकड़ाए

इंदौर। स्कीम 136 में एक डॉक्टर द्वारा किराये पर दिए गए फ्लैट में सेक्स रैकेट चल रहा था। पुलिस ने चार-चार लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में एक बीसीए छात्रा है तो दूसरी बिना पासपोर्ट के बांग्लादेश से शहर आई है। रैकेट चलाने वाली युवती नशे की आदी है। वह पहले भी पकड़ी गई है। उसका एक साथी फरार है।

हीरानगर टीआई शशिकांत चौरसिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी स्कीम 136 के पार्क के सामने एक फ्लैट में बाहर के लड़के-लड़कियां बुलाकर देह व्यापार चलाया जा रहा है। टीम ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी। ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस ने छापा मारा तो रैकेट का खुलासा हुआ। चार लड़कों और चार लड़कियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। युवकों के नाम दीपक उर्फ मोनू बकावले निवासी चौधरी पार्क पावर हाउस के पास मयूर नगर, नीरज राजपूत निवासी मयूर नगर मूसाखेड़ी, ध्रवेन्द्र राजपूत निवासी बजरंग नगर और दीपक गुर्जर है। फ्लैट से ऐसी कई वस्तुएं मिली जो देह व्यापार में उपयोग की जा रही थी। चार आरोपी लड़कियों में से एक रैकेट की मुखिया है। वह साथी विकास के साथ यह धंधा कर रही थी। दोनों बाहर से लड़कियों को बुलाते थे।

तीन अन्य लड़कियों में से एक मूलतः नीमच की है। पोलीटेक्निक करने के बाद वह शहर के एक कॉलेज से बीसीए कर रही है। दूसरी बांग्लादेशी है। उसके पास पासपोर्ट भी नहीं है। तीसरी लड़की मुंबई से बुलाई गई थी। विकास की तलाश की जा रही है। विकास ने डॉ. विवेक गुप्ता का फ्लैट किराये से लिया था। दरअसल, जांच में यह बात सामने आई कि डॉ. गुप्ता को पता भी नहीं था कि उनके फ्लैट में अनैतिक काम हो रहा है। विकास ने परिवार के रहने का बोलकर किराये पर लिया था।

बिना पासपोर्ट पहुंची कैसे : टीआई ने बताया कि बांग्लादेशी युवती के बिना पासपोर्ट भारत पहुंचने की जांच की जा रही है। यह भी पता किया जाएगा कि वह सरगना के संपर्क में कैसे आई। गिरोह में सदस्यों और उनके संपर्कों की जानकारी निकाली जा रही है।

खबरें — उज्जैन एजुकेशन एसोसिएशन ने आरटीओ को शनिवार नई प्रस्तावित किराया सूची सौंपी है

स्कूल बस किराये पर पालक संघ ने खोला मोर्चा, प्रशासन को दिया ज्ञापन

उज्जैन। स्कूल प्रबंधकों द्वारा विद्यार्थियों के माता-पिता पर थोपी मनमानी फीस और स्टेशनरी के बोझ को हल्का कराने को बने मप्र स्कूल पालक संघ ने स्कूल बस किराये पर सोमवार को मोर्चा खोल दिया। प्रशासन को ज्ञापन देकर स्कूल प्रबंधकों के संगठन उज्जैन एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा स्कूल बस किराया बढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध किया। कहा कि बेतहाशा फीस, महंगी किताबों, ड्रेस और यूनिफार्म के बोझ तले पालक पिसे जा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन पर लगाम लगाएं। प्राइवेट स्कूल की शाला प्रबंधन समिति के पालक भी स्कूल प्रबंधन से मिले होने या दबाव में होने के कारण खुलकर विरोध नहीं कर पाते। प्रशासन ने गत वर्ष जो स्कूल बस किराया निर्धारित किया था, उसका किसी भी स्कूल ने पालन नहीं किया। मनमानी फीस और किताबे-स्टेशनरी से हर साल स्कूलों की आय बढ़ी। कुछ सालों में ही स्कूल भवन की बिल्डिंग और सुविधाओं का बढ़ता आकार इसका प्रमाण है। ज्ञापन देते वक्त किशोरसिंह भदौरिया, ईश्वर बामनिया, वीरेंद्रसिंह कुशवाह, इजराइल मंसूरी, जावेद डिप्टी, डीआर पांडे, गोपाल मालवीय, अजयसिंह चौहान, प्रकाश चौबे, अरविंदसिंह बिसेन, शैलेष परमार आदि साथ थे। मालूम हो कि स्कूल बस किराया बढ़ाने के लिए उज्जैन शहर के 16 स्कूल प्रबंधकों के उज्जैन एजुकेशन एसोसिएशन ने आरटीओ को शनिवार नई प्रस्तावित किराया सूची सौंपी है। सूची में छात्र के घर से स्कूल की दूरी का न्यूनतम 0 से 4 किमी तक का किराया 700 रुपए महीना तय किया है। इसके बाद प्रति किमी दूरी पर किराया 100 रुपए लेना प्रस्ताव किया है। यानी दूरी अगर 10 किमी से अधिक है तो 1100 रुपए और 12 किमी से अधिक है तो 1200 रुपए। सूची के साथ एसोसिएशन ने एक छात्र का बस पर मासिक औसत खर्च 960 रुपए बताया है।

आरटीओ ने कलेक्टर को भेजी नोटशीट

नई प्रस्तावित किराया सूची आरटीओ संतोष मालवीय ने कलेक्टर संकेत भोंडवे को नोटशीट बनाकर भेज दी है। कहा है कि कलेक्टर स्कूल बस किराये से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए बनीं समिति के अध्यक्ष हैं, वे स्कूल प्रबंधन संग मीटिंग कर नई किराया सूची को लेकर आदेश जारी करेंगे।

मान्यता: बुरे सपने दूर करता है उज्जैन में महादेव का ये मंदिर

उज्जैन। धर्मधरा उज्जयिनी में स्वयं भोलेनाथ का राज है। महाराजा महाकालेश्वर के दर्शन मात्र से ही सभी नगरवासियों के दुखों का विनाश हो जाता है। 12 ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा महाकालेश्वर मंदिर के अलावा उज्जैन 84 अन्य महादेवों के वजह से भी शिवभक्तों में अपनी विशेष मौजूदगी दर्ज करवाता है। इन्हीं मंदिरों में से एक हैं श्री स्वनेश्वर महादेव। महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में स्थित श्री स्वनेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी मान्यता है कि बुरे सपनों से परेशान भक्त बाबा के दर्शन मात्र से ही इस समस्या से छुटकारा पा लेते हैं। दुस्वप्नों और उनके फलों को नष्ट करने वाले श्री स्वप्नेश्वर महादेव चौरासी महादेवों की इस अनन्त यात्रा में अस्सीवें क्रम पर हैं। इनके संबंध में एक प्रेरक कथा इस प्रकार है... काफी समय पहले कल्माषपाद नाम के एक राजा हुआ करते थे। एक बार उन्होने वन में वशिष्ट मुनि के पुत्र ओर बहू को देखा। उस समय उनका पुत्र ध्यान में बैठा हुआ था। राजा ने मुनि से कहा कि रास्ते से हट जाओं परंतु मुनि ने नहीं सुना, तो राजा ने क्रोध में आकर मुनि पर चाबुक से प्रहार करना शुरू कर दिया। यह देख वशिष्ट मुनि के दूसरे पुत्र ने राजा को श्राप दिया कि राजा तू राक्षस होगा ओर पुरुषों का भक्षण करेगा। राजा ने अपनी गलती की क्षमा मांगी परंतु उसे माफी नहीं मिली। राजा ने वशिष्ट मुनि के पुत्रों ओर बहु को खा गया। रात को राजा को कई बुरे स्वप्न आए। उसने सुबह मंत्री को बताया। मंत्री राजा को लेकर वशिष्ट मुनि के पास आया। वशिष्ट मुनि ने राजा से कहा कि राजन आप अवंतिका नगरी में महाकालेश्वर के पास स्थित शिवलिंग के दर्शन करें, इससे आप के सभी दु:स्वप्न का नाश होगा। राजा वशिष्ट मुनि के कहे अनुसार अवंतिका नगरी में आया ओर यहां शिवलिंग का दर्शन और पूजन किया राजा के बुरे सपनों का नाश होने के कारण शिवलिंग स्वप्नेश्वर महादेव के नाम से विख्यात हुआ।

देवास में उद्योगों को जल देने विकासकर्ता चयन की मंजूरी

महाधिवक्ता को पुनरीक्षित मानदेय स्वीकृत

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में देवास में उद्योगों को जल प्रदाय करने के लिए स्विस चैलेंज प्रक्रिया में पुनर्संरचित योजना के तहत विकासकर्ता का चयन करने की अनुमति दी गयी। इस संबंध में सभी कार्यवाहियां एमपी एसआईडीसी लिमिटेड द्वारा की जायेगी। मंत्रि-परिषद ने महाधिवक्ता मध्यप्रदेश/अतिरिक्त महाअधिवक्ता/ उप महा अधिवक्ता/ शासकीय अधिवक्ता एवं उप शासकीय अधिवक्ता जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर में पदस्थ विधि पदाधिकारियों, जिनकी नियुक्ति मध्यप्रदेश शासन की ओर से माननीय उच्च न्यायालय में शासन का पक्ष समर्थन के लिए की जाती है, को देय मानदेय में पुनरीक्षण की स्वीकृति दी। अब महाधिवक्ता को पुनरीक्षित निश्चित मासिक मानदेय 1 लाख 80 हजार, अतिरिक्त महाधिवक्ता को 1 लाख 75 हजार, उप महाधिवक्ता को 1 लाख 60 हजार, शासकीय अधिवक्ता को 1 लाख 25 हजार और उप शासकीय अधिवक्ता को 1 लाख रुपए मिलेगा। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में प्रधान आरक्षक के चार पदों के सृजन की मंजूरी दी। इनका वेतनमान रुपए 5200-20200+2400 ग्रेड पे होगा। मंत्रि-परिषद ने मंत्रालय के आठ तकनीकी कर्मचारियों को मंत्रालय के सहायक ग्रेड-3 के समान एक अप्रैल 2006 से द्वितीय समयमान वेतनमान रुपए 5500-9000 स्वीकृत करने की मंजूरी दी। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश मंत्रालय में कार्यरत दफ्तरी को देय विशेष वेतन राशि 50 रुपए को पुनरीक्षित कर 250 रुपए प्रतिमाह करने की मंजूरी दी है। मंत्रि-परिषद ने किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधीन भारत सरकार सहायतित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एंड टेक्नालॉजी के सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन 'आत्मा' को वर्ष 2017-18 में योजना एवं स्वीकृत कुल 1358 पदों की निरंतरता की स्वीकृति देने का निर्णय लिया। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी तिलहन उत्पादक संघ के सेवायुक्तों के राज्य शासन के विभिन्न विभागों में संविलियन की योजना में वृद्धि करने का निर्णय लिया। यह वृद्धि संविलियन के लिए शेष 260 सेवायुक्तों के लिए 10 अगस्त 2017 से छ:माह बढ़ाकर 10 फरवरी 2018 की गयी है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति में नोडल विभाग के अधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित हो

भोपाल। पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान में उप पुलिस महानिरीक्षक श्री इन्दुप्रकाश अरजरिया की अध्यक्षता में आज मध्यप्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा क्रियान्वयन समिति के नोडल अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में श्री अरजरिया ने पिछली राज्य स्तरीय बैठक की कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा की।

रायसेन सहित प्रदेश के 13 जिलों में चलेगा टीकाकरण अभियान

भोपाल। सघन मिशन इन्द्रधनुष के तहत अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर 2017 और जनवरी 2018 में प्रदेश के 13 जिलों के जन्म से 5 साल तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण होगा। केन्द्र शासन द्वारा मिशन में देश के 118 जिलों और 17 शहर का चयन किया गया है। इनमें रायसेन, अलीराजपुर, छतरपुर, झाबुआ, पन्ना, रीवा, सागर, शहडोल, श्योपुर, सीधी, सिंगरौली और टीकमगढ़ जिला और शहरों में इंदौर शामिल है। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन-मध्यप्रदेश के मिशन संचालक डॉ. संजय गोयल की अध्यक्षता में हुई स्टेट टास्क फोर्स इम्यूनाइजेशन बैठक में दी गई। सघन टीकाकरण अभियान अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर और आगामी जनवरी माहों की 7 तारीख से आरंभ होकर 7 दिन चलेगा। अभियान में 0 से 2 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही 0 से 5 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण किया जायेगा। मिशन संचालक ने निर्देश दिये कि अस्पताल में आने वाले 5 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण अवश्य सुनिश्चित करे। अधिक से अधिक बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के महिला-बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय विकास, वन, युवा कल्याण एवं खेल, जनसम्पर्क और आयुष विभाग को भी अभियान से जोड़ा गया है। इनके अलावा यूनीसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूएनडीपी, सीएचएआई, रोटरी, आईएमए और आईएपी की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। लक्ष्य का 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्त करने वाले जिलों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। मिशन की टैग लाइन होगी पाँच साल में सात बार, छूटे न टीका एक भी बार।

राजस्व आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में ही निराकरण करें

भोपाल। कलेक्टर श्री सुदाम खाडे ने आज जिले की बैरसिया तहसील क्षेत्र का दौरा कर वहां के राजस्व न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालयों में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किया जाये साथ ही कार्यालयों में सीमांकन, नामांकन, बंटवारा व बटांकन जैसे आवेदनों का भी त्वरित गति से निराकरण किया जाये। कलेक्टर श्री खाडे ने इस दौरान एसडीएम न्यायालय में राजस्व अभिलेखों का परीक्षण भी किया तथा उपस्थित कर्मचारियों से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम बैरसिया को सी.एम.हेल्पलाइन से संबंधित आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए । कलेक्टर श्री खाडे ने इस दौरान कहा कि आवेदकों के सीमांकन, नामांकन व बटवारा के ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर उसकी प्रविष्टि भी ऑनलाइन करें।

खबरें

चरणपादुका योजना से 21.50 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक लाभान्वित होंगे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेन्दूपत्ता संग्राहक चुन्नी और बुधिया को पहनाई चप्पल

भोपाल। सतना जिले के वन ग्राम जवारिन की तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रीमती चुन्नी खैरवार पति ददुआ खैरवार और ग्राम छरी की श्रीमती बुधिया मवासी पति श्री शिवमारन मवासी को अब पैरों में छाले नहीं पड़ेंगे। न ही, जंगल में साफ और ठण्डा पानी पीने के लिये भटकना पड़ेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार 31 जुलाई 2017 को ग्राम बरौंधा पहुँचकर इन्हें अपने हाथों से चप्पल पहनाई और सेलो की पानी की बोतल दी। वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने भी तेन्दूपत्ता संग्राहकों को चप्पल पहनाई एवं सेलो की पानी की बॉटल दी। उपस्थित जन समुदाय उस समय भाव-विभोर हो गया जब मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इनके पैरों मे चप्पल पहनाई। तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रीमती चुन्नी खैरवार और श्रीमती बुधिया मवासी मुख्यमंत्री की आत्मीयता से काफी प्रभावित हुईं और उन्हें आशीर्वाद दिया। तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रीमती चुन्नी खैरवार लघु वनोपज समिति, कौहारी और श्रीमती बुधिया मवासी पाथरकछार लघु वनोपज समिति के क्षेत्र के वन ग्रामों में जीवन-यापन करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों के लिये प्रदेश में चरणपादुका योजना का शुभारंभ सोमवार 31 जुलाई को ग्राम बरौधा जिला सतना से किया। मुख्यमंत्री ने 18 अप्रैल 2017 को उमरिया में घोषणा की थी कि तेन्दूपत्ता संग्राहकों के लिये चरणपादुका योजना प्रदेश में लागू की जाएगी। प्रत्येक तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार की एक महिला को चप्पल और एक पुरुष को जूता पहनाया जाएगा तथा पानी की बोतल निःशुल्क दी जाएगी। योजना से 21.50 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक लाभान्वित होंगे।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को मिला 1.44 करोड़ रूपये का बोनस : चित्रकूट में 31 जुलाई को तीन रेंज की 13 समितियों के 9,868 तेन्दूपत्ता संग्राहकों को एक करोड़ 44 लाख रूपये बोनस दिया गया। चरणपादुका योजना का क्रियान्वयन राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा किया जा रहा है। संघ के प्रबंध संचालक श्री जव्वाद हसन ने बताया है कि वर्ष 2017 में प्रदेश में 23 लाख 36 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण हुआ है जिसका मूल्य लगभग 1338 करोड़ रुपये है। व्यय घटाने के बाद लागत की 70 प्रतिशत राशि तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बोनस के रूप में वर्ष 2018 में वितरित की जाएगी। यह राशि करीब 500 करोड़ रुपये होगी। बोनस की यह राशि संग्राहकों को देय पारिश्रमिक रुपये 292 करोड़ के अतिरिक्त होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेन्दूपत्ता संग्राहक चुन्नी और बुधिया को पहनाई चप्पल

चरणपादुका योजना से 21.50 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक लाभान्वित होंगे

भोपाल। सतना जिले के वन ग्राम जवारिन की तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रीमती चुन्नी खैरवार पति ददुआ खैरवार और ग्राम छरी की श्रीमती बुधिया मवासी पति श्री शिवमारन मवासी को अब पैरों में छाले नहीं पड़ेंगे। न ही, जंगल में साफ और ठण्डा पानी पीने के लिये भटकना पड़ेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार 31 जुलाई 2017 को ग्राम बरौंधा पहुँचकर इन्हें अपने हाथों से चप्पल पहनाई और सेलो की पानी की बोतल दी। वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने भी तेन्दूपत्ता संग्राहकों को चप्पल पहनाई एवं सेलो की पानी की बॉटल दी। उपस्थित जन समुदाय उस समय भाव-विभोर हो गया जब मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इनके पैरों मे चप्पल पहनाई। तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रीमती चुन्नी खैरवार और श्रीमती बुधिया मवासी मुख्यमंत्री की आत्मीयता से काफी प्रभावित हुईं और उन्हें आशीर्वाद दिया। तेन्दूपत्ता संग्राहक श्रीमती चुन्नी खैरवार लघु वनोपज समिति, कौहारी और श्रीमती बुधिया मवासी पाथरकछार लघु वनोपज समिति के क्षेत्र के वन ग्रामों में जीवन-यापन करती हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों के लिये प्रदेश में चरणपादुका योजना का शुभारंभ सोमवार 31 जुलाई को ग्राम बरौधा जिला सतना से किया। मुख्यमंत्री ने 18 अप्रैल 2017 को उमरिया में घोषणा की थी कि तेन्दूपत्ता संग्राहकों के लिये प्रदेश में लागू की जाएगी। प्रत्येक तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार की एक महिला को चप्पल और एक पुरुष को जूता पहनाया जाएगा तथा पानी की बोतल निःशुल्क दी जाएगी। योजना से 21.50 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक लाभान्वित होंगे।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को मिला 1.44 करोड़ रूपये का बोनस

चित्रकूट में 31 जुलाई को तीन रेंज की 13 समितियों के 9,868 तेन्दूपत्ता संग्राहकों को एक करोड़ 44 लाख रूपये बोनस दिया गया। चरणपादुका योजना का क्रियान्वयन राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा किया जा रहा है। संघ के प्रबंध संचालक श्री जव्वाद हसन ने बताया है कि वर्ष 2017 में प्रदेश में 23 लाख 36 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण हुआ है जिसका मूल्य लगभग 1338 करोड़ रुपये है। व्यय घटाने के बाद लागत की 70 प्रतिशत राशि तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बोनस के रूप में वर्ष 2018 में वितरित की जाएगी।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश में हुआ सदी का महावृक्षारोपण

बदलाव की संवाहक साफ नीयत और दृढ़ इच्छा-शक्ति होती है। खासतौर से तब जब प्रकृति में पैदा असंतुलन को दूर कर उसका नैसर्गिक रूप देना हो या नदियों को सदानीरा बनाना हो। मध्यप्रदेश 'नमामि देवि नर्मदे- सेवा यात्रा' के माध्यम से पिछले छह माह में इस बात का गवाह रहा है कि कैसे प्रकृति को बचाने, नदियों को बचाने की कोशिश जन-आंदोलन में बदलती है। न केवल मध्यप्रदेश बल्कि सारे देश और विश्व ने इसे देखा और सराहा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में संचालित 'नमामि देवि नर्मदे' सेवा यात्रा ने विश्व मानवता को यह संदेश दिया कि नदियाँ बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण और जलवायु परिवर्तन के नित नये खतरों के बावजूद बचायी जा सकती है। इस यात्रा के दौरान न केवल जनमानस नदी के संरक्षण के खातिर जागरूक हुआ बल्कि उसमें नदी को प्रदूषित करने वाले, उसके अविरल प्रवाह को रोकने वाले स्वयं के व्यवहार में भी बदलाव आया। जनमानस समझ गया कि नदी है तो वह है, उसकी संतति है और है भावी पीढ़ियों का संरक्षित जीवन।

प्रिय बहनों और भाइयों, भान्जों और भांजियों,

नर्मदा मैया मध्यप्रदेश की जीवन-रेखा है। मध्यप्रदेश की समृद्धि का आधार है। माँ हमें बिजली देती है, पानी देती है, जिन्दगी देती है। माँ नर्मदा शिव कन्या है, मेकल सुता है लेकिन वृक्षों की जड़ों से प्रकट होती है। माँ नर्मदा की धार कल-कल, छल-छल करके सदैव बहती रहे और हमें जिन्दगी देती रहे। इसके लिये जरूरी है दोनों तटों पर कैचमेंट एरिया में व्यापक पैमाने पर वृक्ष लगाए जाए। आईये माँ नर्मदा की सेवा कीजिए। 2 जुलाई को आप भी नर्मदा तटों पर आईए, पेड़ लगाईए। माँ नर्मदा की सेवा कीजिए और अपनी जिन्दगी को सार्थक बनाइये। -शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

2 जुलाई को 6 करोड़ से ज्यादा पौधों का रोपण : नदी संरक्षण खासतौर से नर्मदा नदी के संरक्षण की मुहिम को पुख्ता आधार देने के लिये नर्मदा यात्रा के बाद अब 2 जुलाई को मध्यप्रदेश में नर्मदा के दोनों तट के किनारों और नदी के जलग्रहण क्षेत्र वाले कुल 24 जिलों में 6 करोड़ पौधे लगाने का सदी का सबसे बड़ा महावृक्षारोपण कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अब तक सरकार द्वारा किये जाते रहे पौधा रोपण कार्य को भी नर्मदा यात्रा की तर्ज पर जन-अभियान के रूप में ही संचालित करने का फैसला लिया है। इस फैसले के अनुरूप ही 2 जुलाई के महावृक्षारोपण की तैयारियाँ की गई। यह तैयारियाँ 2 जुलाई को वृक्षारोपण के विश्व रिकार्ड के रूप में परिणत होगी, जब एक साथ एक दिन 6 करोड़ पौधे लगेंगे। माँ नर्मदा इन पौधों के साल-दर साल वृक्ष बनने के साथ न केवल हरियाली चूनर से आच्छादित होगी बल्कि उसका अविरल प्रवाह भी भावी पीढ़ियों के लिये वरदान बनेगा।

नर्मदा बेसिन क्षेत्र : नर्मदा नदी की कुल लम्बाई 1312 किलोमीटर की है। मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी की कुल लम्बाई 1079 किलोमीटर है, जो कुल लम्बाई का 82.24 प्रतिशत है। इस सांख्यिकी से साफ जाहिर है कि नर्मदा के संरक्षण का महती कार्य मध्यप्रदेश में ही होना है और मध्यप्रदेश को ही करना है। नर्मदा नदी का बेसिन 98 हजार 796 वर्ग किलोमीटर में फैला है। इसमें भी मध्यप्रदेश का हिस्सा 86.19 प्रतिशत अर्थात कुल 85 हजार 149 वर्ग किलोमीटर का है।

मध्यप्रदेश नर्मदा बेसिन के 24 जिले में होगा वृक्षारोपण: नर्मदा बेसिन में मध्यप्रदेश के 24 जिले आते हैं। इनमें डिंडौरी, मण्डला, जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, रायसेन, सीहोर, हरदा, देवास, खण्डवा, खरगोन, धार, बड़वानी,अलीराजपुर, अनूपपुर, बालाघाट, कटनी, दमोह, सागर, सिवनी, छिन्दवाड़ा, बैतूल, इन्दौर और बुरहानपुर जिला शामिल है। नर्मदा नदी के कैचमेन्ट एरिया के इन्हीं जिलों में 2 जुलाई, 2017 को एक दिवसीय वृक्षारोपण में 6 करोड़ पौधों का रोपण किया जाना है। वृक्षारोपण का यह महती कार्य वन क्षेत्रों में, स्कूल, कॉलेज, शासकीय कार्यालयों के प्रांगण, अन्य सामुदायिक भूमियों और निजी भूमियों पर किया जायेगा।

सरकार और समाज की भागीदारी से होगा वृक्षारोपण: वृक्षारोपण में वन, ग्रामीण विकास, कृषि उद्यानिकी, नगरीय प्रशासन, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा विभाग, जन-अभियान परिषद और अन्य शासकीय विभाग की भूमिका रहेगी। एक दिवसीय इस वृक्षारोपण में शासन के सभी विभागों के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को भाग लेने के लिये प्रेरित किया गया है। भोपाल मुख्यालय, जिला मुख्यालय स्तर, विकास खण्ड एवं ग्राम स्तर पर पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी का वृक्षारोण में भाग लेना सुनिश्चित किया गया है। वृक्षारोपण में भाग लेने हेतु online रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई। इसके अनुसार www.namamidevinarmade.mp.gov.in पर निजी व्यक्ति, शासकीय संस्थाएँ, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएँ, महिला मंडल, क्लब्स ने आदि ने वृक्षारोण में शामिल होने के लिये रजिस्ट्रशन करवाया। दिनांक 28 जून 2017 की स्थिति में 5 लाख 89 हजार लोगों द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण करवाया जा चुका था। रोपण के लिये आवश्यक पौधों की व्यवस्था वन विभाग, उद्यानिकी विभाग एवं निजी रोपणियों से की जा रही है। आवश्यक फलदार पौधे अन्य राज्यों से भी प्राप्त किये जा रहे हैं। पौधा लगाने के लिये गड्ढा खुदाई कार्य सभी विभागों ने अपने-अपने लक्ष्यों के अनुसार लगभग पूर्ण कर लिया है। रोपित पौधों के सत्यापन के लिये प्रत्येक रोपण स्थल पर अधिकारी/कर्मचारी तैनात किये गये हैं।

- पराग वराडपांडे

मध्यप्रदेश के 60 गाँव बनेंगे क्लाइमेट स्मॉर्ट विलेज

मध्यप्रदेश के 3 जिले सीहोर, सतना एवं राजगढ़ के 20-20 गाँव शीघ्र ही क्लाइमेट स्मॉर्ट विलेज में बदल जायेंगे। ऐसा केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एनएएफसीसी कोष की परियोजना की बदौलत होगा। कोष में क्लाइमेट स्मॉर्ट विलेज देश की पहली पूरी तरह केन्द्रीय अनुदान आधारित परियोजना है। क्लाइमेट स्मॉर्ट विलेज मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बचने, जोखिम को कम करने, मिट्टी एवं जल के संरक्षण, फसल की सूखा सहनशील किस्मों की खेती, कृषि वानिकी द्वारा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि की नवीन पद्धतियों की परियोजना है। वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार भविष्य में तापमान बढ़ने से वर्षा तो अधिक होगी, लेकिन वर्षा के दिन घटेंगे। इससे वर्षा की आक्रमता बढ़ेगी और अति-वृष्टि, ओला, पाला, शीत-लहर जैसी स्थिति बनेगी। वर्षा असंतुलन के चलते कहीं बाढ़, कहीं सूखे की स्थिति होगी। ऐसे में यह परियोजना किसानों के लिये वरदान बनेगी।

परियोजना में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील तीन जिलों राजगढ़ (राजगढ़), सीहोर (बुदनी) और सतना (मैहर) के 60 गाँव को लिया गया है। पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) द्वारा संबंधित गाँव के सरपंच, सचिव, जनपद अध्यक्ष, कार्यपालन अधिकारी की राज्य-स्तरीय कार्यशाला भोपाल में आयोजित कर इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया गया है। सीहोर जिले में मछुवाई, हिंग्नासीर, बीसाखेड़ी, डोबी, सातरमऊ, मुरारी, होड़ा, चाँदलाकलां, खाबड़ा, जनवासा, इसरपुर, बिनेका, बोरना, गादर, जैत, खोहा, अमनापुरा, नारायणपुर, अन्खेड़ी और चिखली गाँव क्लाइमेट स्मार्ट विलेज बनेंगे। सतना जिले में परसवाड़ा, डुंडी, अमुआ, नकतरा, दर्शनपुर, हरदुआ, सानी, गढ़वा, घुनवारा, पिपराकलां, घुरैयाकलां, मतवारा, पकरिया, कुसेड़ी, पथरहटा, इटहरा, महेदर, गुग्ड़ी, सभागंज और धतूरा का चयन किया गया है। इसी तरह राजगढ़ जिले के गाँव कोटरा, मोतीपुरा, जैतपुरा खाती, जगन्यापुरा, ज्वालापुरा, गवाकापुरा, जोगीपुरा, छमारी, देवझिरी, टूतीपुरा, धोबीपुरा, पालड़ी, फतहपुर, भाटपुरा, बेडाकापुरा, हीरापुरा, मन्यापुरा, फूलखेड़ी, मालीपुरा और मनोहरपुरा क्लाइमेट स्मार्ट विलेज बनेंगे।

तीन साला इस परियोजना के लिये केन्द्र द्वारा 24 करोड़ 87 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। परियोजना का मूल्यांकन नाबार्ड का क्षेत्रीय कार्यालय करेगा। किसानों के मार्गदर्शन के लिये कृषि, जल-संसाधन, मौसम विभाग आदि को भी इससे जोड़ा जा रहा है।

परियोजना की गतिविधियाँ : बीज एवं फसल प्रबंधन : सूखा सहनशील चारा एवं फसलों की खेती, कृषि के साथ वानिकी और चारा बैंक बनाकर संग्रहण एवं वितरण।

जल प्रबंधन: जल संग्रहण के लिये खेतों में लाइन्ड (पॉलीथिन की परत लगाकर) तालाबों का निर्माण, धान की कम पानी के उपयोग वाली तकनीक से खेती।

ऊर्जा प्रबंधन : कम ऊर्जा खपत वाले उपाय जैसे एलईडी लाइट, गोबर गैस संयंत्र, सोलर पम्प प्रयोग को प्रोत्साहित करना, फसल अवशेषों को जलाने के विरुद्ध किसानों को जागरूक करना और विकल्पों को अपनाना, कम ऊर्जा खपत वाले सिंचाई पम्प के प्रयोग को बढ़ावा देना।

मृदा पोषक तत्व प्रबंधन = मिट्टी की कम जुताई, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, लीफ कलर चार्ट, मिट्टी में सही समय, सही स्थान एवं खेत में खड़ी फसल के रंग के अनुसार पोषक तत्व की पूर्ति करना, फसल कटाई के बाद अवशेषों को खेत में जलाने और मिट्टी में मिलाने से रोकना। मौसम पूर्वानुमान आधारित खेती = मौसम वेधशाला के माध्यम से छोटे स्तर पर (क्लस्टर) मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि कार्य। जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास = विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों आदि को कार्यशाला एवं भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा।

केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा प्रायोजित समग्र विकास की अन्य योजनाओं के साथ एकीकरण।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के लिये सही खाद, बीज, ऊर्जा प्रबंधन की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

आंखों के नीचे की झुर्रियां दूर करने के लिए अपनाएं ये उपाय

हमारी आंखों के नीचे की त्वचा बेहद पतली और संवेदनशील होती है. यही वजह है कि यह बहुत जल्दी प्रभावित होती है. आंखों के नीचे की झुर्रियों के लिए कई महत्वपूर्ण कारण हो सकते हैं. कई बार ज्यादा सिगरेट पीने की वजह से, बहुत धिक सूरज की रोशनी में रहने से, त्वचा के ड्राई होने की वजह से या फिर नींद और बढ़ती उम्र की वजह से भी आंखों के नीचे झुर्रियां पड़ जाती हैं.

हमारी आंखों का निचला हिस्सा वह भाग है जहां बढ़ती उम्र के लक्षण सबसे अधिक और पहले नजर आते हैं. ऐसे में त्वचा के इस हिस्से की देखभाल करना बहुत जरूरी हो जाता है.

ज्यादातर लोग आंखों के नीचे पड़ी इन झुर्रियों को दूर करने के लिए बहुत कुछ करते हैं लेकिन उन्हें वे परिणाम नहीं मिल पाते हैं जिसकी उन्हें ख्वाहिश होती है. ऐसे में अगर आपको भी ऐसी कोई समस्या है तो इन घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपनी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं:

1. अनानास : अनानास में ब्रोमलेन एंजाइम पाया जाता है जो झुर्रियों को दूर करने में मददगार होता है. इसके जूस की कुछ मात्रा हाथ में लेकर प्रभावित जगह पर लगाएं. इसे इसी तरह 15 मिनट के लिए छोड़ दें. कुछ ही दिनों में आपको असर नजर आने लगेगा.

2. खीरा : खीरा त्वचा को मॉइश्चराइज करने का काम करता है जिससे झुर्रियां कम होती हैं. साथ ही त्वचा पर मौजूद बारीक लकीरें भी कम होती हैं. इसके अलावा खीरे के इस्तेमाल से डार्क सर्कल और पिग्मेंटेशन की समस्या में भी आराम मिलता है.

3. जैतून का तेल : आप चाहें तो प्रभावित जगह पर जैतून के तेल से मसाज करके भी इस समस्या को दूर कर सकते हैं. इससे त्वचा मॉइश्चराइज भी होती है और चेहरे पर मौजूद बारीक रेखाएं भी दूर हो जाती हैं.

4. अंडे की सफेदी : अंडे का सफेद हिस्सा त्वचा में कसावट लाने का काम करता है. साथ ही ये रिंकल्स की समस्या को दूर करने में भी मददगार होता है.

5. कैस्टर ऑयल : जिस प्रकार जैतून के तेल का इस्तेमाल किया जाता है उसी प्रकार कैस्टर ऑयल का भी इस्तेमाल करके रिंकल्स की समस्या में राहत अगर आपको भी ऐसी कोई समस्या है तो इन घरेलू पाई जा सकती है.

खूबसूरती में चार चांद लगाता है सरसों का तेल

सरसों के तेल को कई जगहों पर कड़वा तेल भी कहा जाता है. स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा माना जाने वाला सरसों का तेल न केवल हेल्थ में बल्कि खूबसूरती में भी चार चांद लगाने का काम करता है.

कुछ लोग इसका इस्तेमाल बालों की ग्रोथ के लिए करते हैं तो कुछ इसे मंजन की तरह इस्तेमाल करते हैं. पर क्या आप जानती हैं कि इस चिपचिपे और तीखी महक वाले तेल से आप अपना रूप भी निखार सकती हैं:

1. सरसों का तेल एक नेचुरल सनस्क्रीन है. एसपीएफ 30 और बाजार में मिलने वाले तरह-तरह के उत्पाद सरसों के तेल के आगे फीके हैं. सरसों के तेल में उच्च मात्रा में विटामिन ई पाया जाता है, जो सूरज की तेज रौशनी में चेहरे का बचाव करता है. इसके अलावा इसके इस्तेमाल से रिंकल्स आने का खतरा भी कम हो जाता है. एक खास बात ये कि आप जब भी अपने सनस्क्रीन की जगह मस्टर्ड ऑयल का इस्तेमाल करें ये तय कर लें कि तेल पूरी तरह ऑब्जर्व हो जाए. वरना चेहरे पर तेल होने से गंदगी चिपकने का डर बना रहेगा.

2. आपने लोगों को ये कहते सुना होगा कि सरसों के तेल से कॉम्प्लेक्शन डार्क होता है लेकिन असलियत ठीक इससे विपरीत है. सही मात्रा में नियमित इस्तेमाल बाल जल्दी सफेद नहीं होने पाते नारियल का तेल और सरसों के तेल का मिश्रण हैं. बनाकर उसे चेहरे पर लगाने से चेहरे पर निखार आता है. साथ ही पिंपल्स भी नहीं होने पाते हैं.

3. सरसों के तेल से मसाज करने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स भी नहीं होते हैं. बेसन में सरसों का तेल मिलाकर एक पेस्ट बना लें. इसमें थोड़ी मात्रा में दही और नींबू मिला लें. इसे चेहरे पर 15 से 20 मिनट तक रोज लगाने से इन सारी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है.

4. अगर आप का लिप बाम आपको वो फायदा नहीं दे पा रहा है जो आप चाहती हैं तो सरसों के तेल का इस्तेमाल करें. ये एक नेचुरल मॉश्चराइजर है. जो होठों की नमी को बरकार रखते हुए उन्हें मुलायम बनाए रखता है.

5. ये एक नेचुरल क्लींजर है जो त्वचा के पोर्स को गहराई से साफ करने का काम करता है. ये शरीर के तापमान को कम करने और शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर निकालने में भी मदद करता है. इसके मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और त्वचा पर निखार आता है.

6. बालों को सुंदर बनाने के लिए भी सरसों का तेल एक अचूक उपाय है. सरसों के तेल के इस्तेमाल से बाल घने होते हैं. ये स्कैल्प को हेल्दी बनाने का काम करता है. साथ सरसों के तेल के

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

रिक्शा चलाने वाला बन गया करोड़ों का मालिक, आप भी जानिये पूरी कहानी...

किसी रिक्शे की सवारी करने के दौरान आपके मन में कभी ये बात आई कि आप जिस रिक्शे पर बैठे हैं उसे चलाने वाला करोड़पति बन जाएगा.

मेरे ख्याल में आपने ये कभी नहीं सोचा होगा. ऐसे में आपकी सोच से परे एक रिक्शेवाले ने कुछ ऐसा कर दिखाया है जो आपके लिए प्रेरणा बन सकता है.

मेहनत और मजदूरी के दम पर रिक्शा चलाने वाले हरिकिशन पिप्पल ने सफलता की अनूठी मिसाल बनाई है.

दरअसल, आज करोड़ों के मालिक हरिकिशन पिप्पल का जन्म एक गरीब और दलित परिवार में हुआ था. पिता की जूता मरम्मत करने की दुकान थी. पर इससे घर का खर्च नहीं चल पाता था. यहां तक कि दो वक्त की रोटी नसीब हो जाए, ये बड़ी बात थी.

अपने घर के हालात को देखते हुए हरिकिशन पिप्पल मजदूरी करने लगे. लेकिन पढ़ाई नहीं छोड़ी. दिन में काम करते थे और रात में मन लगाकर पढ़ाई.

लेकिन हरिकिशन जैसे ही 10वीं में पहुंचे उनके पिता की तबियत खराब हो गई. घर की हालात और भी खराब हो गई. घर का खर्च और पिता की दवाओं का बोझ बढ़ गया. ऐसे में परिवार वालों को बिना बताए हरिकिशन ने अपने किसी रिश्तेदार से उधार में साइकिल रिक्शा मांगी और चलाने लगे. कोई पहचान न ले, इसलिए चेहरे पर कपड़ा बांध लेते.

फिर एक दिन हरिकिशन को एक फैक्ट्री में 80 रुपये की तनख्वाह वाली नौकरी मिल गई. उनकी पत्नी की सलाह पर हरिकिशन ने कुछ समय बाद बैंक से 15 हजार रुपये कर्ज लेकर अपनी पुरानी दुकान को ही दोबारा शुरू कर दिया. हालांकि पारिवारिक विवाद के कारण हरिकिशन और उनके परिवार को घर छोड़ना पड़ा. लेकिन उन्होंने अपने सपने का दामन नहीं छोड़ा.

फिर एक दिन हरिकिशन की जिंदगी में टर्निंग प्वॉइंट आया और उन्हें स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन से 10 हजार जोड़ी जूता बनाने का ऑडर मिला. इसके बाद हरिकिशन ने पीछे पलटकर कभी नहीं देखा. हरिकिशन के पास इसके बाद बाटा से भी ऑर्डर आने लगा और इसी बीच उन्होंने पीपल्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी लॉन्च की, जिसमें वो अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के लिए जूते तैयार करने लगे.

हरिकिशन यहीं नहीं रुके. उन्होंने रेस्टोरेंट खोला और शादार शादीखाना भी बनाया. हेल्थकेयर सेक्टर में उन्होंने साल 2001 में हैरिटेज पीपुल्स हॉस्पिटल की स्थापना की. इसके अलावा उन्होंने वाहन डीलरशिप और पब्लिकेशन फर्म में भी अपनी पैठ जमाई. अपनी मेहनत और दूरदर्शिता के आधार पर हरिकिशन ने कामयाबी का परचम लहराया. इनकी कंपनी का टर्नओवर 100 करोड़ से ज्यादा है।

पोखरण परीक्षणः आज ही के दिन वाजपेयी ने दुनिया को दिखाया था, भारत किसी से नहीं डरता!

11 और 13 मई 1998 को पोखरण में भारत ने परमाणु परीक्षण किए थे. ये परीक्षण इसलिए अहम थे क्योंकि इसने पूरी दुनिया के सामने भारत की छवि को बदलकर रख दिया था. उस दिन दुनिया ने समझा कि भारत तेजी से उभरती ताकत है. और ये भी कि कोई सैटेलाइट उसके मंसूबों को भांप नहीं सकती.

क्यों खास है 13 मई : आज का दिन इसलिए खास है क्योंकि 1998 में भारत ने 13 मई को परमाणु परीक्षण का दूसरे राउंड किया. तमाम अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दिखा दिया कि वे किसी से डरने वाले नहीं. हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अटल बिहारी के साहस की सराहना करते हुए कहा है, 'हालांकि परीक्षणों की पहली श्रृंखला के बाद विश्व समुदाय ने भारत पर प्रतिबंध लगाए थे. मगर 13 मई 1998 को अटल जी ने फिर परीक्षण किया. जिससे यह पता चलता है कि वह अलग मिजाज के व्यक्ति हैं. अगर हमारे पास एक कमजोर प्रधानमंत्री होता तो वह उसी दिन डर गया होता. लेकिन अटल जी अलग ही व्यक्ति हैं वह डरे नहीं'.

अमेरिका का था दबाव : राजस्थान के जैसलमेर स्थित पोखरण की जमीन दूसरी बार 13 मई को गवाह बनी कि भारत को कम आंकने वाले दरअसल धोखे में हैं. 11 मई के बाद अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने हमारे देश की काफी निंदा की थी. इसके बाद माना जा रहा था कि भारत अब परमाणु परीक्षण नहीं करेगा. पर एक दिन बाद ही फिर परमाणु परीक्षण किए गए और इसकी पूरी दुनिया गवाह बनी.

स्पाई सैटेलाइट्स से बचकर की गई थी तैयारी : इस दिन जबर्दस्त परमाणु परीक्षण कर भारत ने दुनिया को चौंकाया, सबसे अधिक हैरत तो अमेरिका को थी. इसका कारण था उसके वो स्पाई सैटेलाइट, जो दिन-रात भारत की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस समय भारत में घट रही पल-पल की रिपोर्ट अमेरिका के खुफिया विभागों को मिला करती थी.

जानिये, भारत को न्यूक्लियर ताकत किसने बनाया

देश के जाने-माने फिफिसिस्ट पी के अयंगर का जन्म 29 जून 1931 को हुआ था. वो पहले शख्स थे, जिन्होंने देश को परमाणु शक्ति का खिताब दिलाया. दुनिया में भारत को परमाणु ताकतों की कतार में ला खड़ा करने वाला पोखरण-द्व साल 1974 में 18 मई को अंजाम दिया गया था. देश का पहला परमाणु परीक्षण भारतीय सेना ने सैन्य बेस राजस्थान पोखरण टेस्ट रेंज में किया था. इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थाई सदस्यों से अलग परमाणु परिक्षण करने वाला भारत, दुनिया का पहला मुल्क बन गया. भले ही डॉ. राजा रमन्ना प्रोजेक्ट हेड थे, पर इस परमाणु हथियार को डॉ. पी के अयंगर ने बनाया और इसका डिजाइन तैयार किया था. दुनिया की नजरों से बचाने के लिए भारत ने इसका कोड नाम स्माइलिंग बुद्धा रखा था. जब तक परमाणु का सफलतापूवर्क परीक्षण नहीं कर लिया गया डॉ. पी के अयंगर ने इसकी डिजाइन और इसकी ताकत को सबसे गोपनीय ही रखा. 1975 में पद्म भूषण और साल 1971 में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले अयंगर भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर और एटॉमिक एनर्जी कमिशन के चेयरमैन भी रहे. हालांकि, परमाणु परीक्षण इनकी वजह से ही सफल हो सका, पर अयंगर बहुत ही शांतिप्रिय व्यक्ति थे. यही वजह है कि उन्होंने शांति के लिए काफी काम किया.

NASA ने चुने 12 नए अंतरिक्ष यात्री, एक भारतीय भी शामिल

नासा ने रिकॉर्ड 18,000 से ज्यादा आवेदकों में से एक भारतीय-अमेरिकी सहित 12 नए अंतरिक्ष यात्रियों का चयन किया है, जिन्हें पृथ्वी की कक्षा और सुदूर अंतरिक्ष में अभियानों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा. इस समूह में सात पुरष और पांच महिलाएं हैं. नासा का यह पिछले दो दशकों में सबसे बड़ा चयनित समूह है. इन लोगों को चयन रिकॉर्ड 18,300 आवेदकों में किया गया है. नासा को किसी खुले अंतरिक्ष यात्री निमंत्रण के दौरान पहले कभी इतने आवेदन नहीं मिले. अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुने जाने के लिए उम्मीदवारों को कुछ शारीरिक अनिवार्यताओं के साथ ही शिक्षा और अनुभव संबंधी मापदंडों को पूरा करना था जैसे कि उनके पास विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) में स्नातक की डिग्री या जेट विमान को उड़ाने का 1,000 घंटों का अनुभव होना चाहिए.

चुने गए अंतरिक्ष यात्रियों को दो साल का प्रशिक्षण दिया जाएगा. प्रशिक्षण खत्म होने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में मिशन के दौरान अनुसंधान का काम सौंपा जा सकता है. अमेरिका के उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने नासा अधिकारियों के साथ मिलकर चयनित अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा ह्यूस्टन में की. पेंस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतरिक्ष में नासा के मिशन के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं और अमेरिका फिर से अंतरिक्ष में नेतृत्व करेगा।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

हैरान था वो अंग्रेज, मंत्र की इन सभी क्षमताओं को जानकर

यह बात है उस समय की जब हमें आजादी नहीं मिली थी। तब कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हुआ करते थे जॉन वुड्रॉफ (1865-1936) उन्हें एक मुकदमा परेशान किए हुआ था। और वह भारतीय मंत्रों की शक्ति से भली भांति परिचित थे। वे निर्णय नहीं कर पा रहे थे। तब उस मुकदमे के दोनों पक्ष मंत्र-जाप करने लगे, और इस तरह मंत्र-जाप के प्रभाव से अंग्रेज जज का दिमाग दुविधा में उलझ कर रह गया। फैसला जो भी हुआ हो, लेकिन वुड्रॉफ ने मंत्र शास्त्र का व्यवस्थित अध्ययन शुरू किया।

कहने का आशय यह है कि भारतवर्ष और नेपाल तक विभिन्न ज्ञानियों, योगियों से मिल कर उन्होंने तंत्र ज्ञान हासिल किया है। आधुनिक युग में मंत्र शक्ति कई पुस्तकें लिखीं जा चुकी हैं। यहां तक की मंत्रों की शक्ति के बारे में स्वामी विवेकानन्द से लेकर श्रीअरविन्द, स्वामी शिवानन्द, योगानन्द जैसे योगियों की रचनाएं देख सकते हैं।

कैसा है मंत्र-जप का विस्तार...

- जप-योग के पांच स्तर हैं। वैखरी, उपांशु, मानसिक, लिखित और अजपा जप।
- योगियों के अनुसार सब से पहले किसी साधक को वैखरी, अर्थात बोल कर नाम का अभ्यास करना चाहिए।
- उपांशु एकदम हल्की ध्वनि के साथ जाप है। यह जप हर कोई कर सकता है। इसकी अवधि मामूली और विधि भी सरल है।
- शेष तीन के लिए व्यक्ति के स्वभाव और चरित्र के अनुसार योग्यताओं की अपेक्षा होती है।
- नाम-जप में गुण, मात्रा से अधिक निरंतर अभ्यास का महत्व है। ईश्वर में विश्वास होने, न होने से इसमें अंतर नहीं पड़ता।
- नास्तिक भी जप के अभ्यास से अपना जीवन सुधार सकता है।

जप से आती है मानसिक स्फूर्ति

- यदि आप किसी कार्य या समस्या पर एकाग्र चिंतन में विफल हो रहे हैं, तो घंटे भर वैखरी जप कर ध्यान लगाएं।
- मानस व्यायाम हेतु भी जप साधन अचूक है। किसी मंत्र का देर तक जाप कर लेने से मस्तिष्क तरो-ताजा हो जाता है। सोचने-समझने की शक्ति बढ़ती है। जैसे व्यायाम से अंगों में स्फूर्ति आती है, वैसे ही नाम जप से मानसिक स्फूर्ति आती है।
- जिन्हें बुरी लतें हों, वे इस का प्रयोग कर अपने मस्तिष्क को सदाचार प्रवृत्त होने के अनुकूल बना सकते हैं।
- मानसिक समस्याओं को तोड़ने में, दृढ़ निश्चय की ओर बढ़ने में मंत्र-जाप मददगार होता है।

बातें सभी करते हैं लेकिन आध्यात्मिकता है क्या ?

आजकल लोग आध्यात्मिकता का मतलब निकालते हैं कि स्वयं को यातना देना और अभावग्रस्त जीवन बिताना। इसको लोग भूखे रहने और सड़क के किनारे बैठ कर भीख मांगने से जोड़ने लगे हैं, और सबसे मुख्य यह है कि आध्यात्मिकता को जीवन-विरोधी या जीवन से पलायन समझा जाता है।

लोग यह मानते हैं कि आध्यात्मिक लोगों को जीवन का आनन्द लेना वर्जित है और हर तरीके से कष्ट झेलना जरूरी है। जबकि सचाई यह है कि आध्यात्मिक होने का आपके बाहरी जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। एक बार किसी ने मुझसे पूछा - एक आध्यात्मिक और संसारी मनुष्य में क्या अंतर है? मेरा सहज जबाब था- एक संसारी मनुष्य केवल अपना भोजन कमाता है, बाकी सब कुछ-जैसे प्रसन्नता, शांति और प्रेम-स्नेह के लिए उसे दूसरों की भीख पर निर्भर रहना पड़ता है।

इसके विपरीत एक आध्यात्मिक व्यक्ति अपनी शांति, प्रेम और प्रसन्नता सब कुछ स्वयं कमाता है, और केवल भोजन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। लेकिन अगर वह चाहे, तो अपना भोजन भी कमा सकता है। इन कुछ लक्षणों से आप समझ जाएंगे कि आध्यात्मिकता आखिर है क्या?

आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय, फिलॉसफी, या मत से कोई लेना-देना नहीं है। आप अपने अंदर से कैसे हैं, आध्यात्मिकता इसके बारे में है। आध्यात्मिकता का मतलब है, भौतिक से परे जीवन को अनुभव कर पाना। आप सृष्टि के सभी प्राणियों में भी उसी परम-सत्ता के अंश को देखते हैं, जो आपमें है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको बोध है कि आपके दुख, आपके क्रोध, आपके क्लेश के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आप खुद इनके निर्माता हैं, तो आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें केवल आपका हित न हो कर, सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या, और पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं।

बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनन्द में रहते हैं, तो आप

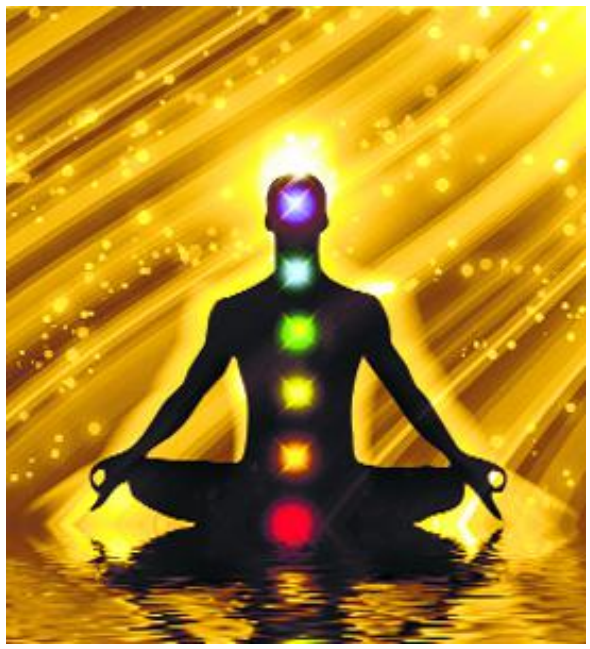

आध्यात्मिक हैं। अगर आपको इस सृष्टि की विशालता के सामने खुद के नगण्य और क्षुद्र होने का एहसास बना रहता है तो आप आध्यात्मिक बन रहे हैं। आपके पास अभी जो कुछ भी है, उसके लिए अगर आप सृष्टि या किसी परम सत्ता के प्रति कृतज्ञता महसूस करते हैं तो आप आध्यात्मिकता की ओर बढ़ रहे हैं।

अगर आपमें केवल स्वजनों के प्रति ही नहीं, बल्कि सभी लोगों के लिए प्रेम उमड़ता है, तो आप आध्यात्मिक हैं। आपके अंदर अगर सृष्टि के सभी प्राणियों के लिए करुणा फूट रही है, तो आप आध्यात्मिक हैं।

आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आप अपने अनुभव के धरातल पर जानते हैं कि मैं स्वयं अपने आनन्द का स्रोत हूं। आध्यात्मिकता कोई ऐसी चीज नहीं है जो आप मंदिर, मस्जिद, या चर्च में करते हैं। यह केवल आपके अंदर ही घटित हो सकती है। आध्यात्मिक प्रक्रिया ऊपर या नीचे देखने के बारे में नहीं है। यह अपने अंदर तलाशने के बारे में है। आध्यात्मिकता की बातें करना या उसका दिखावा करने से कोई फायदा नहीं है। यह तो खुद के रूपांतरण के लिए है। आध्यात्मिक प्रक्रिया मरे हुए या मर रहे लोगों के लिए नहीं है। यह उनके लिए है जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवंतता में जीना चाहते हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया एक यात्रा की तरह है - निरंतर परिवर्तन। हम राह की हर चीज से प्रेम करना और उसका आनंद लेना सीखते हैं, पर उसे उठाते नहीं।

आध्यामिकता मूल रूप से मनुष्य की मुक्ति के लिए है, अपनी चरम क्षमता में खिलने के लिए। यह किसी मत या अवधारणा से अपनी पहचान बनाने के लिए नहीं है। आध्यात्मिकता का अर्थ है कि अपने विकास की प्रक्रिया को खूब तेज करना। आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का अर्थ है कि आप मुक्ति की ओर बढ़ रहे हैं, चाहे आपकी पुरानी प्रवृत्तियां, आपका शरीर, और आपके जीन्स कैसे भी हों। अस्तित्व में एकात्मता व एकरूपता है और हर इंसान अपने आप में अनूठा है। इसे पहचानना और इसका आनन्द लेना ही आध्यात्मिकता का सार है।

एक आध्यात्मिक व्यक्ति और एक संसारी व्यक्ति, दोनों ही उसी अनन्त-असीम को चाह रहे हैं। एक उसे जागरूक हो कर खोज रहा है जबकि दूसरा अनजाने में। अगर आप अपना व्यक्तित्व मिटा देते हैं तो आपकी मौजूदगी बहुत प्रबल हो जाती है - यही आध्यात्मिक साधना का सार है। जब आप अपनी नश्वरता के बारे में हरदम जागरूक रहने लगते हैं, तब आप अपनी आध्यात्मिक खोज में कभी विचलित नहीं होते। सोच-विचार दिमाग की उपज है, यह कोई ज्ञान नहीं है। आध्यात्मिक होने का अर्थ है औसत से ऊपर उठना - यह जीने का सबसे विवेकपूर्ण तरीका है। आध्यात्मिकता के लिए कई जन्मों तक साधना करनी पड़ती है - ऐसी सोच अधिकतर लोगों में प्रतिबद्धता और एकाग्रता की कमी के कारण बनती है। साधना एक ऐसी विधि है, जिससे पूरी जागरूकता में आध्यात्मिक विकास की गति को तेज किया जा सकता है। आध्यात्मिकता न तो मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है और न ही सामाजिक- यह शत-प्रतिशत अस्तित्वगत है। अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया वहीं शुरू हो जाती है, चाहे वो काम झाड़ू लगाना ही क्यों न हो। किसी चीज को सतही तौर पर जानना सांसारिकता है, और उसे ही गहराई तक जानना आध्यात्मिकता है।

हरमनप्रीत चोट के चलते इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर कंधे की चोट के चलते इंग्लैंड में होने वाली महिलाओं की सुपर सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। कौर को 10 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाले इस टी20 टूर्नामेंट में सरे स्टार्स की तरफ से हिस्सा लेना था। पिछले दिनों संपन्न विश्व कप के बाद उनके कंधे का एमआरआई किया गया था जिसके बाद उन्हें एक महीने के आराम की सलाह दी गई। एमआरआई स्कैन में उनके बाएं कंधे में चोट पाई गई। हरमनप्रीत ने स्वीकारा कि विश्व कप के अंतिम चरण में वे पूरी तरह फिट नहीं थी, लेकिन उनके फिजियो ने कहा कि वे इन मैचों में खेल सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हरमनप्रीत ने कहा, यदि मैं किया लीग में हिस्सा लेती तो यह अच्छा होता। पिछले सत्र में महिला बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के साथ मेरा कार्यकाल अच्छा रहा था। इसके चलते मेरा आत्मविश्वास बहुत बढ़ गया था। मैं इंग्लैंड की विश्व कप विजेता खिलाड़ियों नताली स्किवर, टैमी ब्यूमॉन्ट, लॉरा मार्श और एलेक्स हार्टली के साथ खेलने को बेताब थी। हरमनप्रीत ने भारतीय क्रिकेट टीम की फिजियो ट्रेसी फर्नांडिज का शुक्रिया अदा किया क्योंकि उनकी वजह से वे विश्व कप के अंतिम चरण में खेल पाई। उन्होंने कहा कि एक बार तो मुझे लगा था कि मैं नॉकआउट मैचों में नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन फिजियो ट्रेसी की वजह से मैं इन महत्वपूण मैचों में खेल पाई।

4 माह भारत में मनेगा क्रिकेट का त्योहार, यह रहा पूरा शेड्यूल

बई। भारत को इस वर्ष अपने घर में नवंबर-दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच खेलने है, लेकिन उसका कोई भी ख्यात केंद्र इन मैचों की मेजबानी का इच्छुक नहीं है। इसके चलते दो नए केंद्रों तिरुवनंतपुरम (केरल) और बरसापाड़ा (असम) को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी मिल सकती है। भारत सितंबर से दिसंबर के बीच रिकॉर्ड 23 अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेगा। भारत में इस चार महीने की अवधि के दौरान श्रीलंका के अलावा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें खेलने आएगी। इन मैचों की मेजबानी का फैसला मंगलवार को कोलकाता में होने वाली बीसीसीआई की टूर्स एंड फिक्चर्स कमेटी की बैठक में किया जाएगा।

भारत ने पिछले सत्र में रिकॉर्ड 13 टेस्ट मैचों की मेजबानी की थी। उस वक्त न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया ने भारत में टेस्ट मैच खेले थे। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट की बंदिशों के चलते मेजबान राज्य एसोसिएशनों को पैसों के संकट का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा एकाध केंद्र को छोड़कर अधिकतर जगहों पर टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम खाली पड़े थे जिसके चलते अब सभी प्रमुख केंद्र टेस्ट की बजाए वनडे या टी20 मैचों के आयोजन के इच्छुक है।

वैसे भी इस वक्त श्रीलंकाई टीम कमजोर है और उनके पास ऐसा कोई दिग्गज खिलाड़ी नहीं है जिसे देखने दर्शक स्टेडियम में आएंगे। इसके चलते इस बार कोई भी प्रमुख केंद्र इस सीरीज के टेस्ट मैच के आयोजनका इच्छुक नहीं है। पिछले सत्र में दिल्ली और नागपुर टेस्ट मैचों की मेजबानी से वंचित रहे थे। यदि दोनों श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी के लिए राजी हुए तो नए केंद्रों में से तिरुवनंतपुरम को मौका मिलेगा और यदि इनमें से कोई एक (नागपुर) ही राजी हुआ तो बरसापाड़ा को भी टेस्ट मेजबानी का मौका मिल सकता है।

23 अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भारत सितंबर से दिसंबर के बीच रिकॉर्ड 23 अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 17 सितंबर से 11 अक्टूबर के बीच 5 वनडे और 3 टी20 मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड टीम 22 अक्टूबर से 7 नवंबर के बीच 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेलेगी। इसके बाद श्रीलंकाई टीम 15 नवंबर से 24 दिसंबर के बीच 3 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेलेगी।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)